पारमिता

वर्ष – 12, अंक – 12

सम्पादक
प्रो.श्रीकान्त मिश्र

दर्शन परिषद् (मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़)

पारमिता

वर्ष – 12, अंक – 12

प्रकाशक : दर्शन परिषद् (मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़)

सर्वाधिकार : दर्शन परिषद् (मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़)

प्रकाशन वर्ष : 2023

मुद्रक : अनिल प्रिंटर्स एण्ड स्टेशनर्स
विवेकानन्द नगर, रीवा (म.प्र.)

नोट : शोध पत्रिका में प्रकाशित शोध–पत्र के लिए लेखक स्वयं उत्तरदायी होंगे।
लेखक के विचारों से परिषद् की सहमति अनिवार्य नहीं है।

कार्यसमिति

प्रो.भरत कुमार तिवारी
अध्यक्ष
दर्शन एवं योग विभाग
रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय,
जबलपुर (म.प्र.)

प्रो.श्रीकान्त मिश्र
महासचिव
दर्शन विभाग
अ.प्र.सिंह विश्वविद्यालय, रीवा (म.प्र.)

डॉ.अवनीश चन्द्र पाण्डेय
उपाध्यक्ष
दर्शन विभाग
सतीश चन्द्र कालेज,
बलिया, (उ.प्र.)

डॉ.राजेश कुमार चौरसिया
उपाध्यक्ष
वसंत महाविद्यालय,
राजघाट, वाराणसी (उ.प्र.)

डॉ. देवदास साकेत
कोषाध्यक्ष
दर्शन विभाग
अ.प्र.सिंह विश्वविद्यालय,
रीवा(म.प्र.)

डॉ.विवेक कुमार पाण्डेय
सहसचिव
दर्शन एवं धर्म विभाग,एम.एम.व्ही.
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
वाराणसी (उ.प्र.)

डॉ.रेनू चौधरी
सहसचिव
सी.एम.पी.डिग्री कालेज
प्रयागराज (उ.प्र.)

डॉ.दिनेश पाटीदार
सहसचिव
दर्शन विभाग
शास.कमलाराजा कन्या स्वशासी
महाविद्यालय, ग्वालियर(म.प्र.)

सम्पादक मण्डल

1. डॉ.प्रदीप खरे, भोपाल
2. डॉ.गौतम कलोत्रा, दिल्ली
3. डॉ.विवेक पाण्डेय, वाराणसी
4. डॉ.अवनीश चन्द पाण्डेय, बलिया
5. डॉ.जयन्त उपाध्याय, वर्धा
6. डॉ.सिन्धु पौडियाल, त्रिपुरा
7. डॉ.दिनेश पाटीदार
8. डॉ.देवदास साकेत, रीवा
9. डॉ.सूर्यप्रकाश द्विवेदी, रीवा
10. डॉ.ज्योति चौधरी, इन्दौर

परामर्शदात्री समिति

1. प्रो.रजनीश कुमार शुक्ल, वर्धा
2. प्रो. श्रीप्रकाश पाण्डेय, वाराणसी
3. प्रो.सच्चिदानन्द मिश्र, वाराणसी
4. प्रो.हरिशंकर उपाध्याय, प्रयागराज
5. प्रो.ऋषिकान्त पाण्डेय, प्रयागराज

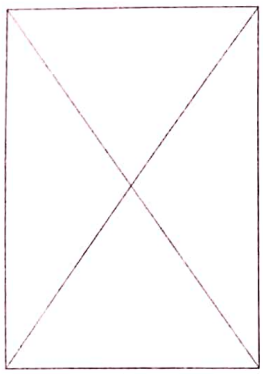

सम्पादकीय

दर्शन–परिषद् (मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़) की शोध–पत्रिका 'पारमिता' वर्ष 12 अंक 12 आपके कर कमलों में है। परिषद् का यह प्रयत्न है कि अधिवेशनों में प्रस्तुत शोध आलेखों का प्रकाशन सुनिश्चित हो सके। इसीलिए पिछले अंक में राजनॉदगांव (छ.ग.) सत्र 2019–20 तथा रीवा (म.प्र.) सत्र 2020–21 के अधिवेशनों में प्रस्तुत शोध आलेखों को सम्मिलित करते हुए उसे प्रकाशित किया गया था तथा प्रस्तुत अंक में 2021–22 के रीवा अधिवेशन के आलेखों को सम्मिलित करते हुए प्रकाशित किया जा रहा है।

शनैः शनैः मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में दर्शनानुरागियों की संख्या लगातार वृद्धि को प्राप्त हो रही है तथा उनके चिन्तन में गहराई भी दृष्टिगोचर हो रही है। यह सुखद है कि अधिवेशनों में युवा दार्शनिक बढ़–चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। यह हिस्सेदारी दर्शन परिषद् (म.प्र. एवं छ.ग.) तथा दर्शन परिवार के उज्ज्वल भविष्य की ओर संकेत करता है। वर्तमान समय में मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ के साथ–साथ उत्तर प्रदेश, बिहार, दिल्ली, झारखण्ड, त्रिपुरा, कर्नाटक आदि प्रदेशों से युवा शोधार्थियों और अध्येताओं की, परिषद् के साथ सक्रिय हिस्सेदारी हमें आत्ममुग्ध कर रही है। हम अपने लेखकों/पाठकों तथा उन सभी आत्मीय जन को शुभकामना प्रेषित करते हैं, जो किसी न किसी रूप में दर्शन परिवार से जुड़े हैं।

शोध–पत्रों/आलेखों के प्रकाशन में यह प्रयत्न किया गया है कि मानक स्तर के लेख ही प्रकाशित हों, तथापि किसी प्रकार की त्रुटि है, तो उसके लिए सम्पादक के नाते मैं क्षमा प्रार्थी हूँ। मैं दर्शन परिषद् के पार्षदों से अनुरोध करता हूँ कि अपने शोध–पत्र के लेखन में उचित और प्रामाणिक सन्दर्भों का समावेश अवश्य करें ताकि अपनी शोध पत्रिका 'पारमिता' एक स्तरीय पत्रिका के रूप में स्थापित हो सके।

सहयोग की अकांक्षा के साथ,

वसंत पंचमी
दिनांक 26 जनवरी 2023

प्रो. श्रीकान्त मिश्र
सम्पादक